हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 2 फरवरी 2026

तापमान

अधिकतम 22 .5 डिग्री
न्यूनतम 11.0 डिग्री

13 शिवांगी का पृथ्वी बचाओ प्रोजेक्ट रहा अव्वल

14 केंद्रीय बजट पर प्रबुद्ध लोगों की प्रक्रिया, विकासात्मक बजट खोलेगा प्रगति के द्वार

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर सड़क हादसे के बाद गत 3 जनवरी को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के बहरामपुर निवासी इउस्मान खान को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गाड़ी को भी कब्जे में लिया गया है। आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत वर्ष 11 दिसंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने भिवानी के विचोपा निवासी रमेश को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

चोरी का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बावल। कसोला थाना पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी को करीब तीन साल बाद गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात के बाद 22 जून 2023 को केस दर्ज किया था। काफी प्रयास करने के बाद भी चोरी के आरोपी का पता नहीं चल सका था। अब पुलिस ने इस मामले में यूपी के खराट निवासी विशाल मौर्य को गिरफ्तार किया है। पूछताछ करने के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से जमानत नहीं मिलने के कारण उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया।

गोकशी एक्ट का आरोपी तफ्तीश में शामिल

जाटूसाना। थाना रोहड़ाई पुलिस ने गोकसी अधिनियम के तहत दर्ज मामले के एक आरोपी को तफ्तीश में शामिल किया है। पुलिस ने गत वर्ष एक पिकअप गाड़ी का पीछा करते हुए 4 गाय और 2 बछड़ों को मुक्त करवाया था। आरोपी गाड़ी छोड़कर भाग गए थे। इस मामले के एक आरोपी पलवल के उटावड़ निवासी अयूब को कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई थी। अब उसे तफ्तीश में शामिल किया गया है। पुलिस ने मामले के अन्य आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू किए हुए हैं।

हेरोइन तस्करी का आरोपी किया काबू

जाटूसाना। थाना रोहड़ाई पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में लगभग एक साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। नशा तस्करी की सूचना पर पुलिस ने गत वर्ष 31 जनवरी को हेराइन के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया था। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में गुरूग्राम के खौड़ निवासी दीपक उर्फ पोली का गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से 1350 रुपये बरामद किए गए हैं। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पंडित जसराज की जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से पंडित जसराज की जयंती पर 2 फरवरी को राज्य स्तरीय कार्यक्रम फतेहाबाद जिला के गांव पीली मंदोरी में प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यतिथि होंगे। प्रवक्ता ने बताया कि पंडित जसराज का जन्म फतेहाबाद जिला के पीली मंदोरी गांव में हुआ था।

भाजपा जिला कार्यालय में देखा गया लाइव प्रसारण, जिलाध्यक्ष वंदना ने बारीकियों के बारे में करवाया अवगत

बजट-2026: भाजपा कार्यालय में सीतारमण की 'वंदना', विपक्ष ने बताया निराश करने वाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से रविवार को पेश किए गए केंद्रीय बजट का भाजपा जिला कार्यालय लाइव प्रसारण देखा गया। जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली के साथ भाजपा पदाधिकारियों ने लाइव प्रसारण देखने के बाद बजट को विकसित भारत का रोडमैप करार दिया। भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बजट पेश करने के बाद इसे प्रदेश और जिले के लिए भी कारगर बताते हुए खुशी का इजहार किया गया। बजट की सराहना करते हुए डा. वंदना पोपली ने इसे 'अमृत काल' का एक ऐसा खाका बताया जो भारत को 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में सबसे निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को चरित्रार्थ करता है। वंदना पोपली ने बजट के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सरकार ने 3 मुख्य कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने बजट के प्रमुख बिंदुओं को साझा करते हुए बताया कि लखपति दीदी की सफलता के बाद अब ग्रामीण महिलाओं को उद्यमों का मालिक बनाने के लिए शी माट्र्स की स्थापना की जाएगी। इसके अतिरिक्त यह एक 'युवा शक्ति-संचालित' बजट है। 'एजुकेशन- टू एम्प्लॉयमेंट' स्थायी समिति का गठन और 15 हजार स्कूलों में आधुनिक लैब की स्थापना युवाओं के लिए भविष्य के द्वार खोलेगी।

बजट की सराहना करते हुए डा. वंदना पोपली ने इसे 'अमृत काल' का एक ऐसा खाका बताया जो भारत को 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में सबसे निर्णायक कदम है।

रेवाड़ी। रविवार को केंद्रीय बजट का प्रसारण देखते कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

ये पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

इस अवसर पर सफाई आयोग चेयरमैन कृष्ण कुमार, प्रदेश सदस्य वरुण श्योरान, प्रदेश सदस्य सिंह राम, सुनील मुसेपुर, रत्नेश बंसल जिला महामंत्री पंडित हिमांशु पालीवाल, जिला महामंत्री कुलदीप चौहान, बावल वाइस चेयरमैन अर्जुन चौकन, विजय राव, श्याम चुघ, मंडल अध्यक्ष रेवाड़ी समीर कालड़ा, हनुमान छाबड़ी,नवीन यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिला सचिव दिनेश टिंट मण्डल प्रभारी संजय रुस्तगी, बजट टोली सदस्य पवन सीए, केशव मुदगल, नेहा शर्मा, एडवोकेट बिरेन, नरवीर यादव, विनिता पीपल, ओमप्रकाश चौहान, दीनदयाल सैनी व कई अन्य मौजूद थे।

प्रदेश की कनेक्टिविटी बढ़ाएगा कॉरिडोर

7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का विकास और बुनियादी ढांचे पर 12.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश हरियाणा की कनेक्टिविटी को वैश्विक स्तर पर ले जाएगा। जिले के युवाओं को अब कौशल विकास के नए केंद्रों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर ही विश्वस्तरीय रोजगार के अवसर मिलेंगे। आमजन के लिए यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। यह गरीब को सशक्त, युवा को स्वावलंबी और किसान को समृद्ध बनाने वाला बजट है।

महंगाई रोकने की दिशा में कदम नहीं

कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग महंगाई से बुरी तरह त्रस्त है। घरेलू बचत घट रही है, कर्ज बढ़ रहा है और वेतन स्थिर बना हुआ है, लेकिन बजट में उपभोक्ता मांग को पुनर्जीवित करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए बजट में कोई विश्वास पैदा करने वाला संकेत नहीं है। विदेशी निवेश, वेतन ठहराव और उद्योगों की चिंताओं जैसे अहम विषयों पर सरकार पूरी तरह चुप है। केवल छोटे-मोटे बदलाव किए गए हैं, लेकिन संरचनात्मक सुधारों का घोर अभाव है।

समाज के हर वर्ग को किया निराश: कैप्टन अजय

भाजपा जहां बजट को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही है, तो दूसरी ओर कांग्रेसी नेताओं ने बजट को पूरी तरह दिशाहीन है और समाज के हर वर्ग को निराश करने वाला करार दिया है।

प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि इस बजट में न तो देश को दिशा देने वाली कोई दूरदृष्टि है और न ही आर्थिक चुनौतियों से निपटने की राजनीतिक इच्छाशक्ति। युवा, किसान, गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग, निर्यातक और राज्य सरकारें सभी को इस बजट से निराशा ही हाथ लगी है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने की कोई रणनीति बजट में दिखाई नहीं देती। राष्ट्रीय आय में इसकी भागीदारी वर्षों से लगभग 13 प्रतिशत पर अटकी हुई है, लेकिन देशी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कोई ठोस नीति सामने नहीं रखी गई। उन्होंने कहा कि रोजगार के मोर्चे पर बजट पूरी तरह विफल है। युवाओं के लिए नए रोजगार सृजन या महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी बढ़ाने को लेकर कोई गंभीर योजना नहीं है। पूर्व में घोषित प्रशिक्षण और इंटर्नशिप योजनाओं के परिणामों पर भी सरकार पूरी तरह मौन है।पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि निर्यात और व्यापार को लेकर भी बजट निराशाजनक है। निर्यात में गिरावट, बढ़ते व्यापार घाटे और वैश्विक हिस्सेदारी में कमी पर कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं दी गई। राष्ट्रीय मुद्रा के लगातार अवमूल्यन को रोकने की दिशा में भी कोई स्पष्ट योजना नहीं है।

हरियाणा के विकास के द्वार खुलेंगे

डा. वंदना पोपली ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 ने हरियाणा के लिए विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। कुल बजट आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये का है, जिसमें पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है। यह पिछले साल से करीब 9 प्रतिशत अधिक है। यह बढ़ोतरी हरियाणा जैसे तेजी से विकसित हो रहे राज्य के लिए वरदान साबित होगी, एनसीआर की निकटता, मजबूत इंडस्ट्री और कृषि आधार विकास की रफ्तार को और तेज करेगा। यह बजट प्रदेश के साथ जिले में भी विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देगा।

किसानों को मिलेगी सटीक जानकारी

किसानों के लिए इस बजट में मिली सौगात के बारे में उन्होंने बताया कि नामक बहुभाषी अक टूल किसानों को खेती की सटीक जानकारी देगा। इसके अलावा मछली पालन और पशुपालन क्षेत्र के लिए विशेष क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी की घोषणा की गई है। आयुर्वेदिक अकटर की स्थापना भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपरा आयुर्वेद को आधुनिक विज्ञान और तकनीक से जोड़ने का दूरदर्शी कदम है। उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्राओं के लिए हर जिले में 1 गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण का प्रावधान भी इस बजट में वित्त मंत्री की तरफ से किया गया है।

पुल पर रेहड़ी लगाने वालों का कब्जा, हादसों की आशंका बनी

रेवाड़ी। आउटर बाइपास के पुल पर रेहड़ी वालों का कब्जा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जैसलमेर हाइवे से झज्जर रोड को जोड़ने वाले आउटर बाइपास के पुल पर रेहड़ी वालों ने कब्जा जमा लिया है। पुल के एक हिस्से पर 'मिनी मार्केट' की तरह रेहड़ियों लगाई जा रही हैं, जिनसे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पहले नाईवाली चौक फ्लाईओवर पर बड़ी संख्या में रेहड़ियों लगने लगी थीं। इस पुल से ट्रैफिक पुलिस वालों ने अधिकांश रेहड़ी वालों को खदेड़ दिया था। रिक्शा व तिपहिया वाहनों पर बनी कुछ रेहड़ियों अभी भी लग रही हैं। जिन रेहड़ियों को पुल से हटवा दिया था, उन रेहड़ी वालों ने झज्जर बाइपास पुल पर हरिनगर के पास नया ठिकाना बना लिया है। अब इस पुल पर लगी रेहड़ियों ने मिनी मार्केट की तरह कब्जा जमा लिया है। इससे पुल पर हादसों की आशंका रेहड़ियों की संख्या के साथ बढ़ती जा रही है। पुल की सड़क के बड़े हिस्से पर रेहड़ियों लग रही हैं। इससे वाहनों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। रेहड़ियों पर ग्राहकों की भीड़ के बाद पुल से वाहनों का निकलना मुश्किल बना रहता है।

रेहड़ियों को हटवाने की मांग उठाई

नारनौल रोड से यह बाइपास 90 डिग्री टर्न से निकलता है। सीधा मोड़ होने के कारण नारनौल की ओर से आने वाले वाहन जिस स्थान से निकलते हैं, ठीक उसी जगह से रेहड़ियां लगनी शुरू हो जाती हैं। वाहन मुड़ते ही उनके रेहड़ियों से टकराने की आशंका बनी रहती है। रेहड़ियों के आसपास बड़ी संख्या में ग्राहक भी खड़े हो जाते हैं, जिससे वह वाहनों की चपेट में आ सकते हैं। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों ने ट्रैफिक पुलिस से इन रेहड़ियों को हटवाने की मांग की है।

13 कुमाऊं रेजिमेंट के 5 सेवानिवृत्त सैनिकों का रेजांगला स्मारक पर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अहीरवाल की उत्कृष्ट सैन्य परंपरा का सफल निर्वहन करने के बाद 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 5 जांबाज सेवानिवृत्त होकर रविवार को रेजांगला युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे। हवलदार सुरेंद्र सिंह, हवलदार अरुण कुमार, हवलदार मुकेश, हवलदार घमनराम और हवलदार अर्जुन सिंह का स्मारक पर अहीर रेजिमेंट संघर्ष समिति व रेजांगला शौर्य समिति ने स्वागत किया। हवलदार सुरेंद्र सिंह को घर ले जाने के लिए उनका पैराशूट रेजिमेंट में सेवारत बेटा कप्तान स्नूज कुमार पहुंचा।

रेवाड़ी। रेजांगला स्मारक पर मौजूद सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर कर्नल घीसाराम, राव अजीत सिंह, कप्तान राजेंद्र सिंह, कप्तान देवपाल, कप्तान हरिओम, सूबेदार मेजर धर्मदेव, सूबेदार मेजर सुखबीर, सूबेदार उदय बीर पैराशूट, सूबेदार लक्ष्मीनारायण,डा. रामपाल, इंजीनियर सचिन, लक्ष्मीनारायण थानेदार, हवलदार गजराज, कर्ण सिंह कोच व हवलदार सुनील सहित परिजन उपस्थित थे।

रेवाड़ी। होली पार्क में डांडा रोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर-1 के होलिका पार्क में डांडा किया रोपित

रेवाड़ी। सेक्टर-1 होलिका पार्क में रविवार को विधि विधान से पूजन करके होली का डांडा रोपित करके भक्त प्रहलाद को याद किया गया। डांडा रोपण के बाद प्रसाद वितरित किया गया। आचार्य रामतीर्थ ने डांडा रोपित कराया व महासचिव निरंजन लाल गुप्ता यजमान थे। कार्यक्रम में मुदित बंसल, संजीव, राजेश, नरेश, सत्यदेव, अशोक व दिनेश गुल्याणी उपस्थित थे। आरडब्ल्यूए के प्रधान रविन्द्र यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हॉफ मैराथन में दिया अच्छे स्वास्थ्य, नशे से दूरी और खेलों से जुड़ने का संदेश

- मैराथन का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक अनिल यादव ने झंडी दिखाकर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

गुर्जरवास स्थित न्यू एरा पब्लिक स्कूल व पतंजलि योग समिति की ओर से रविवार को हॉफ मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक अनिल यादव ने कोसली नाहड़ रोड रेलवे पुल के समीप झंडी दिखाकर किया। मैराथन में लगभग 1200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मैराथन कोसली कनीना रोड़ रेलवे पुल के पास से शुरू होकर बाईपास कोसली से होते हुए गांव जुड्डी के रास्ते कनीना स्टैंड पहुंची, कनीना स्टैंड से स्कूल होते हुए कोसली कनीना रोड स्थित सत्संग भवन लुखी पर समाप्त हुई।

रेवाड़ी। मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया

इस मौके पर विधायक अनिल यादव ने कहा कि यह आयोजन युवाओं को स्वस्थ रखने और उन्हें नशे की लत से दूर रखने में सफल होगा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और मैराथन जैसे आयोजन में बढ़ चढ़कर भाग ले। कोसली थाना एसएचओ मनोज कुमार व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी मैराथन में पूरा सहयोग दिया। मैराथन के समापन पर न्यू एरा पब्लिक स्कूल में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव व उप जिला शिक्षा अधिकारी डा. राजेंद्र यादव विभिन्न वर्गों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के निदेशक व आयोजन समिति के अजय यादव ने मैराथन के आयोजन पर सभी वालिंटियर्स, एनसीसी कैडेट्स और स्टाफ को बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ व क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बारिश और बूंदाबांदी से फसलों को हो रहा फायदा, ओलावृष्टि की आशंका अभी भी कर रही परेशान

हल्की बारिश से ढीले पड़े ठंड के तेवर, 3-4 दिन छाएंगे बादल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

फरवरी माह के पहले ही दिन मौसम में एक बार फिर बदलाव आया। आसमान में बादलों के बीच हल्की बारिश और बूंदाबांदी हुई। दोपहर बाद बादल साफ होने से धूप निकली, जिससे कड़ाके की ठंड का असर कम हो गया। शाम के समय एक बार फिर से आसमान में बादल छा गए। सुबह कोहरे ने वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगाए रखे। अगले तीन-चार दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। रविवार को सुबह से ही आसमान में घने बादल और कोहरा छाया रहा। सड़कों पर यातायात की रफ्तार मंद पड़ गई। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर वाहन धीमी गति से लाइटें जलाकर चलते रहे। लगभग आधा दर्जन ट्रेनों का संचालन भी देरी से हुआ, जिससे रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कड़ाके की ठंड ने दोपहर तक लोगों को जमकर परेशान किया। सुबह के समय कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हुई। कुछ एरिया में हल्की बारिश भी हुई। दोपहर तक कोहरा और बादल छंटने के बाद आसमान साफ हो गया। मौसम में बदलाव के बीच अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 22.5 डिग्री पर पहुंच गया।

रेवाड़ी। आसमान में छाए बरसात के बादल व ठंड से बचाव करते लोग।

धूप खिलने के बाद लोगों को राहत मिली

रात का तापमान 6.0 डिग्री की वृद्धि के साथ 11.0 डिग्री सल्सियस पर पहुंच गया। दोपहर के समय धूप खिलने के बाद लोगों को कड़ाके की ठंड से काफी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन-चार दिन मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। आसमान में बादलों के बीच हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान ओलावृष्टि से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

मौसम बढ़ा रहा किसानों की चिंता

रबी की प्रमुख फसलों गेहूं और सरसों को बारिश और बूंदाबांदी से अच्छा फायदा मिल रहा है। बारिश के बाद किसानों को पछेती सरसों की सिंचाई से छुटकारा मिल गया है। पछेती फसल में दाना बनकर पकना शुरू हो गया है। गेहूं की अगेती फसल में बालियां आने लगी हैं। इस समय अगर बारिश के साथ ओलावृष्टि होती है, तो इससे किसानों को भारी नुकसान हो सकता है। आसमान में बादल छाते ही किसानों की धड़कनें बढ़नी शुरू हो जाती हैं।

बारिश के बाद एक्यूआई में भी सुधार

मौसम में बदलाव के बाद प्रदूषण के स्तर में भी काफी सुधार आया है। बीते शनिवार को प्रदूषण काफी बढ़ गया था। धारूहेड़ा का एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया था। आसमान में धुएं और धूल की चादर बन गई थी। रविवार को सुबह के समय हल्की बारिश के बाद प्रदूषण धुल गया। धारूहेड़ा का एक्यूआई कम होकर 132 पर आ गया, जिससे पहले की तुलना में काफी संतोषजनक माना जा रहा है। अब कुछ दिनों तक एक्यूआईआर में सुधार बना रहने की संभावना है।

रोजगार विभाग का व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह आज से

रेवाड़ी। रोजगार विभाग की ओर से 2 फरवरी से 6 फरवरी तक जिले में व्यवसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों, युवाओं को व्यवसाय से संबंधी जानकारी दी जाएगी। सहायक जिला रोजगार अधिकारी दिनेश तंवर ने बताया कि व्यवसायिक मार्गदर्शन सप्ताह के दौरान विभिन्न स्कूल, कॉलेज, आईटीआई व बहुतकनीकी संस्थान के विद्यार्थियों को व्यवसायिक लक्ष्य निर्धारण व कैरियर को विभिन्न क्षेत्रों में निखारने के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। कक्षा नौवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। व्यवसायिक मार्गदर्शन सप्ताह में सहायक जिला रोजगार अधिकारी रेवाड़ी, सहायक जिला रोजगार अधिकारी कोसली व प्रधानाचार्य आईटीआई की ओर से स्वरोजगार, प्रशिक्षण व ऑनलाइन पंजीकरण के बारे में जानकारी दी जाएगी।

स्वाधीन और गणतंत्र भारत में हरियाणा का महायोगदान

1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा।

आजादी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

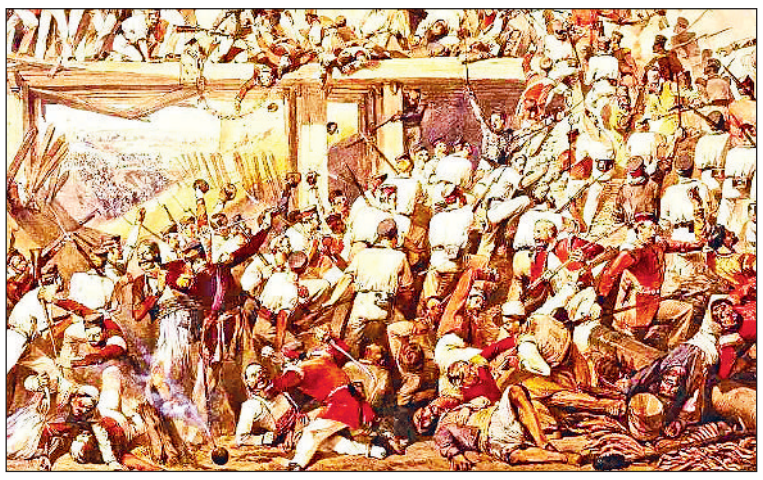

भौगोलिक दृष्टि से 'दिल्ली की देहरी' या 'भारत का प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले हरियाणा का चरित्र वैदिक काल से ही कर्म और शौर्य का रहा है। यह वही भूमि है जहां महाभारत के धर्मयुद्ध में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का उद्घोष हुआ। इसी संस्कार ने कालांतर में विदेशी दासता के विरुद्ध एक प्रबल प्रतिरोध को जन्म दिया। 1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा। आज उस कालखंड की यात्रा करते हैं जब हरियाणा के वीरों ने अपने रक्त से भारत के मस्तक पर आजादी का तिलक लगाया। इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में अक्सर 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज और स्थानीय लोकगाथाएं इसकी गवाही देती हैं कि क्रांति का वास्तविक बीजारोपण और प्रथम विस्फोट अंबाला की छावनी में हुआ था। मेरठ की घटना से लगभग 9 घंटे पूर्व, अंबाला छावनी में 60वीं नेटिव इन्फेंट्री और 5वीं नेटिव इन्फेंट्री ने विद्रोह की योजना बना ली थी। यह योजना अत्यंत व्यापक थी, जिसमें चर्च में अंग्रेजों पर हमला करना शामिल था। दुर्भाग्यवश, एक गद्दार सैनिक की मुखबिरी के कारण अंग्रेजों ने समय रहते हथियार जब्त कर लिए। यद्यपि अंबाला का विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने पूरे उत्तर भारत में अंग्रेजों के मन में भय का संचार कर दिया। जो इस बात का प्रमाण था कि हरियाणा की मिट्टी में विद्रोह के बीज अंकुरित हो चुके थे।

रेवाड़ी और अहीरवाल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने किया। उन्होंने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजों को कर देना बंद कर दिया। 16 नवंबर 1857 को नारनौल के पास नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध हुआ, वह 1857 की क्रांति के सबसे भीषण युद्धों में गिना जाता है। अंग्रेज अधिकारी कर्नल गेरार्ड के नेतृत्व वाली सेना और राव तुलाराम के वीरों के बीच हुए इस युद्ध में नारनौल की धरती लाल हो गई थी। कर्नल इस युद्ध में मारा गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में राव तुलाराम को पीछे हटना पड़ा। वे तांत्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क साधने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए काबुल चले गए, जहां 1863 में उनकी मृत्यु हुई। उनकी स्मृति में आज भी हरियाणा 23 सितंबर को 'शहीदी दिवस' मनाता है। हरियाणा में क्रांति केवल राजाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सर्वखाप और जन-सामान्य का युद्ध था। हिसार और हांसी में लाला हुकम चंद जैन और मिर्जा मुनीम बेग ने क्रांति की मशाल थामी। जब अंग्रेज वापस लौटे, तो उनका दमन चक्र इतना क्रूर था कि हांसी की एक सड़क पर क्रांतिकारियों को लिटाकर उन पर भारी रोड रोलर चलवा दिए गए। वह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। इसी प्रकार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली की सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने अंग्रेजों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कड़ा संघर्ष किया। अंततः धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके जन्मदिन के ही दिन चांदनी चौक पर सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। भिवानी जिले के गांव रोहनात के क्रांतिकारियों ने 29 मई 1857 को गांव से 19 किलोमीटर दूर तोशाम स्थित सरकारी खजाने पर हमला करके उसे लूट लिया। बाद में उन्होंने हिसार के गुजरी महल स्थित एक जेल पर हमला किया और वहां कैद कई क्रांतिकारियों को छुडा लिया। रोहनात के ग्रामीणों के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने हांसी में ग्यारह और हिसार में 12 अंग्रेज अफसरों को मार डाला। इन क्रांतिकारियों में पुट्ठी मंगलखान, मंगाली, हाजिमपुर और जमालपुर जैसे आस-पास के गांवों के निवासी भी शामिल थे। इस कारण बाद में अंग्रेजों ने पूरे गांव को तोप से उड़ा दिया और बची हुई जमीन को नीलाम कर दिया। रोहनात के स्वाभिमानी लोगों ने आजादी के बाद भी दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया, जब तक कि उनका सम्मान पूर्णतः बहाल नहीं हुआ। 1858 में हरियाणा को समृद्ध उत्तर-पश्चिमी प्रांत (आगरा-अवध) से अलग कर पंजाब में मिला दिया गया। यह केवल भौगोलिक हस्तांतरण नहीं था, बल्कि हरियाणा के विकास को अवरुद्ध करने का षड्यंत्र था। नहरी पानी रोका गया, शिक्षा के द्वार बंद किए गए और सरकारी नौकरियों में भेदभाव किया गया। इस घोर निराशा के काल में आर्य समाज एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरा। 1880 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने रेवाड़ी आकर न केवल गोशाला की स्थापना की, बल्कि स्वदेशी और स्वराज का मंत्र भी दिया। आर्य समाज ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में शिक्षा का प्रसार किया और अंधविश्वासों को तोड़ा। लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। आर्य समाज के मंचों से ही राष्ट्रीयता की भावना जन-जन तक पहुंची।

बाबू बालमुकुंद गुप्त, विशंभर नाथ कौशिक और पंडित श्रीराम शर्मा जैसे बुद्धिजीवियों ने अपनी कलम को हथियार बनाया। पंडित श्रीराम शर्मा का पत्र 'हरियाणा तिलक' और जाट गजट जैसे अखबारों ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'मिक्स्चर' और 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की बखिया उधेड़ी गई। अंग्रेजों से डोमिनियन स्टेटस की उम्मीद में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हरियाणा के हजारों युवाओं ने अपनी जान दी, लेकिन बदले में जलियांवाला बाग और काला कानून 'रोलेट एक्ट' मिला। 1919 में जब महात्मा गांधी इस दमनकारी कानून के विरोध में पंजाब जा रहे थे, तो 10 अप्रैल को उन्हें हरियाणा के पलवल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। यह महात्मा गांधी की भारत में पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 1920 से 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित नेकीराम शर्मा का कद बहुत बढ़ गया तो अंग्रेजों ने उन्हें खरीदने की कोशिश की और जमीन का लालच भी दिया। उनका कहना था, 'मुझे तो संपूर्ण भारत की भूमि चाहिए।' उन्हें 'हरियाणा केसरी' की उपाधि दी गई। रोहतक, भिवानी और अंबाला में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान समुद्र विहीन हरियाणा में भी नमक कानून तोड़ा गया। रेवाड़ी, हिसार और अंबाला में खारा पानी उबालकर या मिट्टी से नमक बनाकर प्रतीकात्मक विरोध किया गया। इस आंदोलन की खास बात यह थी कि इसमें हरियाणवी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में हरियाणा का उग्र रूप देखने को मिला। 'करो या मरो' का नारा गांवों में गूंज उठा। डाकखाने, रेलवे स्टेशन और सरकारी इमारतें को निशाना बनाया गया।

> **यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है।**

इस आंदोलन में कालका की बेटी अरुणा आसफ अली ने जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जब कांग्रेस के सभी बड़े नेता जेल में थे, तब अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें '1942 के आंदोलन की रानी' कहा जाता है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में चौधरी छोटूराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने 'साहूकार पंजीकरण एक्ट' और 'कर्ज माफी' जैसे कानूनों के जरिए किसानों को आर्थिक गुलामी से मुक्त कराया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आह्वान का सबसे गहरा असर हरियाणा के युवाओं पर पड़ा। उस समय के संयुक्त पंजाब से आजाद हिंद फौज में भर्ती होने वाले सैनिकों में सबसे बड़ी संख्या हरियाणा के क्षेत्रों रोहतक, झज्जर, भिवानी और महेंद्रगढ़ से थी। मेजर सूरजमल, कर्नल मेहरदास और कैप्टन कंवल सिंह जैसे वीरों ने इंफाल और कोहिमा के मोर्चों पर ब्रिटिश सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। सिंगापुर और बर्मा के जंगलों में लड़ते हुए हजारों हरियाणवी सपूतों ने शहादत दी। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को भगाने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सामंतवादी शक्तियों से मुक्ति और एक अखंड गणतंत्र के निर्माण की भी लड़ाई थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ, लेकिन हरियाणा के कई हिस्सों में संघर्ष अभी बाकी था। हरियाणा में लोहारू, पटौदी, दुजाना और जींद जैसी कई रियासतें थीं जहां नवाबों और राजाओं का शासन था। यहां की जनता दोहरी गुलामी झेल रही थी, एक अंग्रेजों की और दूसरी स्थानीय शासकों की। लोहारू के नवाब के अत्याचारों के खिलाफ किसानों ने लंबा संघर्ष किया। 1946-47 में प्रजामंडल आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण अंततः नवाब को झुकना पड़ा और लोहारू का भारत संघ में विलय हुआ। पटौदी और दुजाना में भी बाबू दयाल शर्मा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में प्रजामंडल ने रियासतों के लोकतंत्रीकरण और भारत में विलय के लिए आंदोलन चलाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हरियाणा का कोई भी हिस्सा राजशाही के अधीन नहीं रहा।

1857 की क्रांति के पहले शहीद से लेकर 1947 के अंतिम संघर्ष तक और फिर 562 रियासतों के एकीकरण के महायज्ञ तक, हरियाणा ने जो आहुति दी है, वह अविस्मरणीय है। यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों अज्ञात शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। हरियाणा के इन वीरों की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र-आराधना के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

कविता | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

चुनाव घोषणा पत्र

पंच बणया सरपंच बणया पर कोन्या पार बसाई
एमएलए का लड़ूं इलैक्शन इब के जी म्हं आई

भाण-भाईयो इब कै सारे मिलकै जोटा ला द्यो
किसे ढाल अपणे भाई नै चण्डीगढ पहुँचा द्यो
मेहर करो कट ज्या मेरी भी माया की करड़ाई...

थमनै बेरा सै मैं कदै भी झूठी बात ना करता
चोगरदे कै देख लिया अक चौधर बिन ना सरता
थम जणो सो नहीं सेधती लीडर नै महँगाई...

एमएलए बणग्या तै थारे सारे काम करूँगा
मीठे पाणी की ठूठी हर घर म्हं लगवा दयूंगा
जोहड़ के पाणी नै कद तक पीवैंगे लोग लुगाई...

दिल्ली मैट्रो के आवण म्हं कती ना होगी देरी
हर पाने म्हं बणें स्टेशन रहैगी कोशिश मेरी
हर टेसन पे करैंगे स्वागत हलके के हलवाई...

बिजली-पाणी के बिल थारे कती ऐ माफ़ करूंगा
टीम बणा कै सारी गालां नै खुद साफ़ करूंगा
बीमारां नै मुफ्त मिलेंगें डाक्टर और दवाई...

शहर म्हू एयरपोर्टग्राम म्हं हेलीपैड बणैंगे
जोहड़ म्हं पाणी कम होया तै बारिश ड्रोन करैंगे
घर-घर सी.सी.टीवी होगें मुफ्त म्हं वाई फाई...

जीत गया तै सुख पाओगे गुण गाओगे मेरा
गलती ते भौ हरा दिया तैफेर थमने सै बेरा
खाट खड़ी कर दयूंगा सबकी ज्यै कुर्सी ना थ्याई..

कविता | राजपाल सिंह गुलिया

भाईचारा वो आपस का

भाईचारा वो आपस का , प्रेम प्यार वो कड़ै गए ।
च्यार आदमी के कहँगे इब, बता प्यार वो कड़ै गए ॥

कड़ै गया वो हाँस्सी ठ्ठा ,कड़ै गया वो लास्सी मठ्ठा ,
आपस के इस प्रेम भाव का , किसने बठा दिया सै भट्ठा
कोळी भर - भर मिल्या करैं थे , मिलनसार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम-प्यार वो कड़ै गए॥

भूलै सब अपणी रीताँ नै, सुर बदले सैं इन गीताँ नै
कोए देख कै राजी ना सै, आजकाल खाते पीताँ नै
यारबाज दुख बाँट्या करते, बात यार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

गायब सै इब हँसी ठिठोळी, बात-बात पै मारैं गोळी,
दिल इनका बेरहम घणा सै, सूरत इनकी लागें भोळी
कड़े सरम के गए रिसाले, रिसलदार को कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

कोसिस सब नै करणी होगी. नई नींम याह धरणी होगी.
खाई खोदी जो नफरत की , सबनै मिलकै भरणी होगी
डगमग होर्यी नाव आज याह, कर्णधार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कवायद

निर्माण पर 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया

अंग्रेजों को 18 वर्ष लगे थे नई दिल्ली शहर बसाने में

इतिहास | यशपाल गुलिया

वर्ष 1912 तक अंग्रेजों ने भारत में अपना साम्राज्य कलकत्ता को राजधानी बनाकर कायम किया था। बता दें कि तीसरे दिल्ली दरबार में 12 दिसम्बर 1911 को अंग्रेज सम्राट जार्ज पंचम ने दिल्ली को राजधानी घोषित किया था। दिल्ली का तीसरा दरबार मुखर्जी नगर के पास कोरोनेशन पार्क में लगा था, जिसमें प्रथम बार कोई बरतानवी सम्राट व महाराना मेरी पधारे थे।

उस समय भारत का अंग्रेज वायसराय लॉर्ड हार्डिंग था। सम्राट के साथ भारत मन्त्री मार्कविश क्रीऊ भी आया था। उस भव्यतम दरबार में भारतीय देशी शासकों, नवाबों व राजाओं के लिए सिविल लाइन में अलग से शिविर लगाए गए थे। दरबार स्थल के पास सम्राट ने अंग्रेजों की नई राजधानी की आधारशिला रखी थी। कहा गया था कि आने वाले कुछ ही वर्षों में इस स्थान पर भव्य इम्पीरियल राजधानी स्थापित होगी, लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसी घटनाएं हुई थी जिसको अंग्रेजों के लिए अपशुकन कहा जाता है। प्रथम तो जार्ज पंचम विलायत से चले तो दुर्घटना हुई थी। दूसरी घटना, दरबार करने के बाद सम्राट के खेमे में आग लग गई। तीसरी, लार्ड हार्डिंग के जुलूस निकालते समय 23 दिसम्बर को उनके हाथी पर चांदनी चौक में बम से हमला किया गया, लेकिन उनसे भयभीत हुए बगैर लाई हार्डिंग ने कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरण का कार्य आरम्भ रखा। वह अपना प्रशासनिक मुख्यालय दिल्ली यूनिवर्सिटी में स्थापित करके विधिवत योजना बनाने में व्यस्त रहे। मैटकाफ हाऊस को काउंसिल हाउस के तौर पर प्रयोग किया गया।

नई दिल्ली स्थित वायसराय हाउस जो 1947 के बाद राष्ट्रपति भवन कहा जाने लगा। अंग्रेजों द्वारा निर्मित 1857 संग्राम का स्मारक।

नई राजधानी का अलग से शहर बसाने के लिए विशेषज्ञों की राय एवं समिति बनाई जाने लगी। इसी क्रम में सर्वप्रथम लार्ड हार्डिंग ने 17 सितम्बर 1912 को दिल्ली को एक सूबा बनाया, जो 1858 से पंजाब का एक जिला मात्र बना दिया गया था। तब तक ब्रिटेन से भी घटना विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं अभियन्ताओं की एक महत्वपूर्ण समिति को गठित किया गया था। इसमें एडविन एन लुटियन्स, जान. ए. ब्रोडी, हरबर्ट बेकर, कैप्टन जार्ज स्वीन्टन, थामस वार्ड और जैफरी मोन्ट मोरेन्सी थे। उस ऐतिहासिक समिति को 12 मार्च 1912 को स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्राट ने हिदायत दी कि यह आवश्यक नहीं है कि जहां शिलान्यास हुआ था, वहीं नया शहर बसाया जाए। दिल्ली की रिज को अंग्रेजों के लिए शुभ बताते हुए वहां कुछ निर्माण नहीं करना। उल्लेखनीय है कि 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेज सेना चार मास तक उसी रिज पर डटी रही तथा वहीं से दिल्ली पर अंग्रेज फिर से कब्जा ले सके थे। आदेशानुसार नवगठित समिति ने 28 मार्च 1912 को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया और वहां पहुंचकर शामनाथ मार्ग स्थित मेडेन होटल में डेरा डाल दिया। तब लार्ड हार्डिंग के काफी विचार-विमर्श के बाद नए शहर के लिए स्थान निश्चित किया गया, जो मालचा नामक गांव के क्षेत्र तथा रायसिना की निम्न पहाड़ी का क्षेत्र था। इसके बाद समिति ने गांव को स्थानान्तरित करके नए शहर के भवनों का निर्माण आरम्भ कर दिया। वर्तमान राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, छावनी व अन्य मुख्यालय भवनों का कार्य आरम्भ ही हुआ था कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध हो जाने से अनेक बाधाएं आई। अन्ततः 18 वर्षों के बाद वर्तमान नई दिल्ली का कार्य सम्पन्न हुआ। इसमें तब 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा कुल 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया। तब तक हार्डिंग के बाद चेम्सफोर्ड, लार्ड रिडिंग व लार्ड इर्विन दिल्ली में वायसराय के पद पर विराजमान हुए। 15 फरवरी 1931 को लार्ड इर्विन ने नई दिल्ली का उद्घाटन किया। कुछ सहयोगी भारतीय शासकों पटियाला, बड़ोदा, हैदराबाद, जयपुर व बिकानेर आदि के राजाओं के लिए भी अपने भवन बनाने के लिए नई दिल्ली में जगह दी गई थी। हालांकि, उद्घाटन के बाद केवल 16 वर्षों तक ही अंग्रेज नई दिल्ली का उपयोग कर पाए।

हरियाणवी सिनेमा में बेहतर कंटेंट कम और चुनौतियां ज्यादा : मनीषा हंस

कलाकार | डा. तबस्सुम जहां

मनीषा हंस वह शख़्सियत हैं जिन्हें थियेटर के माध्यम से न केवल अभिनय के गहरे संस्कार मिले हैं बल्कि वे हमेशा लीक से हटकर संजीदा व अर्थपूर्ण काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह एक सशक्त अभिनेत्री और प्रभावी मंच संचालि होने के साथ ही एक प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, जो सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। मनीषा हंस का बचपन ज्यादातर हिसार में बीता। इन्होंने बीए (संस्कृत ऑनर्स), एमए (अंग्रेजी) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से तथा एमए (हिंदी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की।

ये 1988—90 में लगातार दो बार यूनिवर्सिटी की बेस्ट एक्ट्रेस रहीं और फरवरी 1990 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में चयनित नाटक 'कुमारसम्भव' में अभिनय किया। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम 'सर्च' राज्य संसाधन केंद्र, हरियाणा में 22 वर्षों तक सीनियर फ़ेलो के रूप में कार्य किया और वर्तमान में रोहतक में ज्ञान—विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं। साक्षरता अभियान से जुड़कर उन्हें समझ आया कि समाज के विकास में ही अपना विकास है और कला जन-उत्थान का सशक्त माध्यम है। महिलाओं के साथ काम करते हुए उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की सच्चाइयों को समझा और 1999 में जेंडर विमर्श पर आधारित नाटकों के माध्यम से गांवों तक यह संदेश पहुंचाया। वे लल्लन टॉप के उस मंच तक पहुंचने तथा वायरल होने के विषय में बताती हैं कि इस कार्यक्रम में बहस के दौरान हुए तर्क-वितर्क से प्रेरित होकर स्वतः स्फूर्त जावेद अख्तर साहब और मौलाना से सवाल पूछा गया। इसके पीछे उनकी कोई पूर्व नियोजित सोच नहीं थी। उनके अनुसार समाज को बेहतर बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। कमज़ोर होते मानवीय मूल्यों के बीच एक मानवीय समाज का निर्माण ही हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। वह समाज सेवा को स्वयं के लिए सुकून नहीं बल्कि जीवन भर का संघर्ष मानती हैं, उनका मानना है कि विकास आज भी एक तरफ़ा है और अवसर मुट्ठी-भर लोगों तक सीमित हैं। स्वयं उनके शब्दों में - 'मैं मानती हूं कि प्रतिभाओं की नहीं, अवसरों की कमी है, और संस्थाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास से ही समाज की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।' उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही व्यक्ति पहचान पाता है, इसलिए समाज के प्रति अपना ऋण समझना ज़रूरी है।

मनीषा ने अपने अभिनय करियर में फ़ीचर फ़िल्मों, वेब सीरीज़, शॉर्ट फ़िल्मों, विज्ञापनों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। प्रमुख फ़िल्मों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हरियाणवी फ़ीचर फ़िल्म पगड़ी द ऑनर, नई पीढ़ी (हरियाणवी फ़िल्म, अप्रदर्शित), स्टेज पर वेब सीरीज़ दहलीज़, ओटीटी सीरीज़ सुरंग (कैमियो) और तांडव (कैमियो) शामिल हैं। इसके अलावा जनेऊ, ताली, ममता, लॉक अप/डाउन, स्टूडियो एक्सरसाइज़, क्राइम स्टोरी ऑन ख़बर फ़ास्ट, ज़रक, धारां का टेम, फ़ीचर फ़िल्म धावक, पंजाबी शॉर्ट फ़िल्म छलावों की बारात के लिए वॉयस ओवर, आकाश घर तथा लाहौरी जीरा विज्ञापन में अभिनय किया है। इसके अलावा पारो, द अनओन्ड हाउस और ममता फिल्म को अनेक नेशनल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणवी फ़िल्म इंडस्ट्री के अभी तक के सफर के बारे में वह बताती हैं कि हरियाणवी फ़िल्मों में एक ओर दिखावटी गौरव और मौज-मस्ती है, तो दूसरी ओर किसान, मज़दूर और महिलाओं के संघर्ष को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश। सीमाओं के बावजूद ऐसी फ़िल्में पैरलल सिनेमा जैसी लगती हैं और युवाओं की बढ़ती रचनात्मकता से भविष्य की उम्मीद बनती है। उनके अनुसार, दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना एक सकारात्मक कदम है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं। हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। इसके अलावा अभी हरियाणवी सिनेमा से संतुष्टि की बात नहीं है, क्योंकि बेहतर कंटेंट कम है और चुनौतियां ज़्यादा हैं। सिनेमा का दायित्व है कि वह समाज से सवाल करे और कलाकारों व स्टाफ को उचित मेहनताना देकर कला के स्तर को ऊपर उठाए। सुपवा ने हरियाणा और उत्तर भारत के छात्रों को सिनेमा-टीवी की समझ और आगे बढ़ने का अच्छा अवसर दिया है।

हरियाणा से बहुत टैलेंट मुंबई गया है तो क्या आप उसे पलायन मानती हैं या अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय फलक देने का एक अवसर। इस विषय पर मनीषा हंस ने बताया कि हरियाणा से मुंबई जाकर काम करना पलायन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और अवसर की तलाश है, क्योंकि यहां सिनेमा का सतत माहौल और नीतिगत सहयोग पहले नहीं रहा। कला बिना अभिव्यक्ति के संभव नहीं होती, इसलिए कलाकारों ने बाहर जाकर पहचान बनाई और हरियाणवी सिनेमा की तो अभी शुरुआत ही है। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं, हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। मनीषा मानती हैं कि हरियाणा में स्टेज ऐप सिनेमा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। इस पर कंटेंट के स्तर में सुधार शुरू हुआ है, इसे बनाए रखते हुए कलाकारों को सुरक्षा देने वाला मजबूत प्लेटफॉर्म बनना चाहिए। एक्टर यूनियन, कॉन्ट्रैक्ट, रॉयल्टी और बेहतर इन्वेस्टमेंट पर ध्यान दिए बिना उच्च स्तरीय कंटेंट संभव नहीं है।

> **वेबसीरीज़ सकारात्मक कदम**
>
> मनीषा वेबसीरीज़ और ओटीटी प्लेटफार्म का आना हरियाणवी सिनेमा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम मानती हैं, क्योंकि वेबसीरीज़ ने दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना सकारात्मक है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं।

खबर संक्षेप

कनीना गोशाला में लाया गया उत्तम नस्ल का नंदी

कनीना। श्रीकृष्ण गोशाला के अध्यक्ष भगत सिंह की अध्यक्षता में गोशाला एवं कनीना के प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित की गई। इस में गोभक्त देवेन्द्र सिंह एंव प्रदीप डागर के भरसक प्रयास से गोक्रांति गोशाला रेवाड़ी से एक उत्तम नस्ल का श्रेष्ठ नन्दी लाया गया, जो प्रजनिवैस्टिड है। इससे उत्पन्न नस्लें उन्नत होती हैं, जिस से गऊओं की प्रजन्न क्षमता में सुधार होगा। श्रीकृष्ण गौशाला के सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य सदस्यों ने नंदी का जोरदार स्वागत किया। मुकेश कुमार नंम्बदार ने आठ फरवरी को बैठक बुलाई है।

शहीद की 27वीं पुण्यतिथि पर किया हवन-यज्ञ

कनीना। दिल्ली पुलिस के शहीद हवलदार अशोक कुमार की 27वीं पुण्यतिथि पर रविवार को हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। शहीद स्मारक पर आयोजित इस समझ में उनकी पत्नी एवं नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष संतोष देवी, सचिन रोता सिंह सहित प्रबुद्धजनों ने हिस्सा लिया। शहीद के पुत्र जोनी ने बताया कि एक फरवरी 1999 में अपराधियों का पीछा करते हुए अशोक कुमार ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। पुलिस आयुक्त ने उनकी बहादुरी पर वीरता पुरस्कार से नवाजा था। उनकी ओर से प्रतिवर्ष शहीद स्मारक पर एक फरवरी को हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर पूर्व नगरपालिका चेयरपर्सन संतोष देवी, पूर्व सचिव रोहताश सिंह सहित प्रबुधजनों ने हिस्सा लिया।

व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

महेंद्रगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आर्या परियोजना आईसीएआर जोधपुर के अंतर्गत मशरूम उत्पादन तकनीक पर 15 दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण 17 से 31 जनवरी तक संपन्न हुआ, जिसमें जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। केंद्र के वरिष्ठ संयोजक एवं कीट वैज्ञानिक डॉ. जयलाल यादव ने बताया की इस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषय पर जैसे सफेद बटन, मशरूम उत्पादन के लिए कंपोस्ट खाद बनाने की विधि, बीज के बारे में तथा केसिंग मिट्टी एवं मशरूम में लगने वाली बीमारियों तथा कीड़ों के बारे में संबंधित विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई, जिसमें प्रमुख रूप से क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल से डॉ. नरेश यादव, डॉ. मनोज कुमार तथा कृषि विज्ञान केंद्र बावल द्वारा डॉ. नरेंद्र कुमार ने जानकारी दी तथा केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. पूनम यादव ने भी मशरूम के विभिन्न मूल्य संवर्धन उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा इस दौरान प्रशिक्षण लेने वाले युवक–युवतियों को जिले के मशरूम व्यवसाय अपनाने वालें प्रगतिशील किसान योगेंद्र यादव की मशरूम यूनिट पर भी भ्रमण करवाया गया तथा वहां पर ढींगरी मशरूम के खाद बनाने की विधि तथा इसकी तकनीक आदि विषयों पर जानकारी दी एवं प्रशिक्षण दौरान केंद्र वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अशोक ढिल्लों तथा डॉ. राजपाल यादव ने भी अपने-अपने विषय पर इस दौरान जानकारी दी। इस प्रशिक्षण के आयोजक एवं वैज्ञानिक डॉ. नरेन्द्र यादव रहे।

प्रयाग स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

शिवांगी का पृथ्वी बचाओ प्रोजेक्ट अव्वल

- प्रदर्शनी में कुल 250 मॉडल बनाए गए
- बाल कलाकारों ने मिट्टी के बर्तन बनाकर तालियां भी बटोरी
- प्ले स्कूल के बच्चों ने वाइल्ड एनिमल, और फ्रूट के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

रेवाड़ी। विज्ञान प्रदर्शनी के विजेता अतिथियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

प्रयाग सीनियर सैकेडरी स्कूल प्रयाग नगर महेश्वरी में रविवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन गवर्नमेंट स्कूल के सेवानिवृत्त प्रिंसिपल देशराज शर्मा और गांव महेश्वरी की सरपंच मीनाक्षी देवी ने किया। इस मौके पर रणधीर जिला पार्षद ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में रचनात्मक एव वैज्ञानिक सोच विकसित होती हैं। प्रदर्शनी में रॉकेट, ईवीएम मशीन, एसिड रैन, मैजिक मैथ्स, एटीएम मशीन, रैन वाटर हार्वेस्टिंग, सहित भौतिक विज्ञान के 50, रसायन विज्ञान के 20, गणित के 50, सामाजिक विज्ञान और हिंदी अंग्रेजी भाषा के अनेक आकर्षक मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। कुल 250 मॉडल बनाए गए। बाल कलाकारों ने मिट्टी के बर्तन बनाकर तालियां भी बटोरी। प्ले स्कूल के बच्चों ने वाइल्ड एनिमल, और फ्रूट के बारे में बताया। विद्यार्थियो ने सभी धर्म के त्योहार मनाकर अनेकता में एकता का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने सुंदर रंगोली बनाई।

अतिथियों ने की बच्चों के कार्य की सरहाना

अतिथियों ने बच्चों के कार्य के सरहाना की। प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पृथ्वी बचाओ के प्रोजेक्ट को मिला, जो शिवांगी द्धारा बनाया गया, दूसरा स्थान अक्षिता के पेड़ बचाओ मॉडल तथा तीसरे स्थान पर वैष्णवी का एसिड रैन प्रोजेक्ट रहा। स्कूल संचालक केशा यादव ने सभी बाल वैज्ञानिकों को बधाई दी और अभिभावकों व अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच जोगिंद्र सिंह,देशराज सांगवान, शिवराज यादव, गोविंद सिंह, विमलेश यादव व विशाल यादव सहित स्कूल के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

समाज को नशे की बुराई के प्रति जागरूक करने के लिए किया सौ कुंडीय हवन

रेवाड़ी। सौ कुंडीय यज्ञ में भाग लेते विद्यार्थी एवं ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

कोसली। कोसली आरआरएन डीएवी पब्लिक स्कूल की ओर से समाज को नशे की बुराई के प्रति जागरूक करने के लिए नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत धनिया गांव के मंदिर परिसर में सौ कुंडीय हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। हवन के माध्यम से समाज को नशे की बुराई से दूर रहने तथा सशक्त राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मंदिर के मठाधीश मिथलेश दास, कमेटी प्रधान धीर सिंह, सरोज देवी, मा मोधूराम, कमेटी सदस्य, इन्द्र सिंह, स्कूल के विद्यार्थी, शिक्षक व गांव के गणमान्य लोग उपस्थित थे। हवन के बाद स्कूल के बच्चों ने नशा मुक्ति पर एक लघु नाटिका का मंचन किया। नाटिका में कक्षा नवीं की छात्राओं उर्वशी, प्रियांशी, मुस्कान व कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं ईशा, दिया साक्षी तथा कक्षा दसवीं के छात्र रितिक व कक्षा बारहवीं की छात्रा साइना ने भाषण से लोगों को नशे जैसी बुराई के दुष्परिणामों से अवगत कराया व नशा मुक्त देश बनाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य सुनील कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यूरो ग्रुप ऑफ स्कूल्स में 16,531 छात्रों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

- प्रतिभावान विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत तक शुल्क में छूट प्रदान की जाती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्कॉलरशिप परीक्षा के दौरान मौजूद अभिभावक व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

यूरो ग्रुप ऑफ विद्यालयों में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष सतवीर यादव ने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानना तथा उनके सर्वांगीण एवं सर्वोत्तम विकास के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करना है। छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत कक्षा प्रथम से कक्षा 12वीं तक के प्रतिभावान विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत तक शुल्क में छूट प्रदान की जाती है। यूरो ग्रुप की 16 शाखाओं में यूरो स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन किया गया, जिसमें रेवाड़ी, धारूहेड़ा, भिवाड़ी, कनीना, गुरुग्राम एवं फरीदाबाद सहित विभिन्न क्षेत्रों से 16,531 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय के डायरेक्टर नितिन यादव ने बताया कि स्कूल में विद्यार्थियों को आईआईटी, नीट, एनडीए, सीए फाउंडेशन, सैनिक स्कूल एवं मिलिट्री स्कूल जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की विशेष तैयारी कराई जाती है।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर अभिभावकों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विज्ञान प्रदर्शनी एवं कला प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से डायरेक्टर स्वाति यादव, अकादमिक डीन शमीनू दुबे, प्राचार्य अनिल कुमार, सुनील यादव, अनामिका, कल्पना यादव, अर्चना, नवीन दास, प्रिया श्रीवास्तव, सुधा चौहान, प्रियंका अवस्थी, रिचा एंबेसडर, पूजा, वंदना सिंह, सीमा एवं पारुल खुराना सहित सभी शिक्षकों ने सहयोग दिया।

कन्होरा में कन्या जन्म पर कुआं पूजन कर मनाईं खुशियां

कोसली। क्षेत्र के गांव कन्होरा में एक परिवार ने कन्या के जन्म की कुआं पूजन करके खुशी मनाई। महिलाओं ने मंगलगीत गाए तो बुजुर्गों ने नवजात कन्या व उसकी मां को आशीर्वाद दिया। कन्होरा गांव निवासी कर्मपाल चौधरी व वर्षा चौधरी के घर कन्या ने जन्म लिया। बेटी के जन्म से परिवार खुशी का माहौल रहा। इस खुशी में कुआं पूजन कर तमाम सामाजिक रीति निभाई गई। कन्या के दादा चौधरी रतनलाल व दादी रामरती ने कहा कि आज के समय में बेटा बेटी एक समान है। बेटियां हर क्षेत्र में बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है बस उन्हें समान अवसर मिलना चाहिए। इस मौके पर कन्या के ताऊ सब इंस्पेक्टर दिनेश चौधरी, एडवोकेट मुकेश चौधरी व चाचा एडवोकेट सोहनपाल चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

अटेली में निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

मंडी अटेली। क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए सामाजिक जन सहयोग ट्रस्ट द्वारा अटेली में निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम कनीना रोड बस स्टैंड के निकट स्थित केंद्र परिसर में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रशांत कुमार रहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कंप्यूटर शिक्षा युवाओं के लिए अनिवार्य है और ऐसे निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के युवाओं के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेंगे। समारोह में जिला अध्यक्ष सुशील धानक चरखी दादरी तथा प्रमुख समाजसेवी जयभगवान (हल्का पटौदी) एवं विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश खनगवाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया और ट्रस्ट की इस पहल की सराहना की। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं रोजगारोन्मुख बनाया जाएगा।

श्यामनगर में विधि विधान से रोपित किया होली का डांडा

- धार्मिक परंपरा का आयोजन प्राचीन मान्यताओं के अनुसार किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी। श्याम नगर गांव में डांडा रोपने की रस्म अदा करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

श्यामनगर गांव में माघ पूर्णमासी के दिन होली पर्व के उपलक्ष्य में डांडा रोपण की रस्म श्रद्धा,आस्था और विधि विधान के साथ निभाई गई। धार्मिक परंपरा का आयोजन प्राचीन मान्यताओं के अनुसार किया गया। इस मौके पर सरपंच जिले सिंह यादव, जयप्रकाश प्रधान, बलबीर सिंह, रामनिवास, हुकम सिंह, दीपचंद, जयप्रकाश, बलराज, नरेश पंच, करण सिंह, प्रवीण कुमार, महावीर सिंह, पन्नालाल, अंगद पाल, रणवीर सिंह, ओम प्रकाश, मंगल सिंह,मुनेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, बलवंत सिंह, विजेंद्र सिंह और दीपचंद मौजूद थे।

रामपुरा में किया होली पर्व से पूर्व डांडा रोपण

रेवाड़ी। होली के डांडा रोपण की प्रक्रिया पूरी करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गांव रामपुरा में रविवार को होली पर्व का डांडा रोपण किया गया। इस बार होली का पर्व 2 मार्च को मनाया जा रहा है। महीने पहले ही डांडा रोपण का कार्यक्रम किया गया। सरपंच नरेश यादव के नेतृत्व में युवाओं ने हिंदू रीति के अनुसार डांडा रोपण किया। उन्होंने बताया कि होली पर्व से पहले हिंदू परंपरा में अनुसार गांव में भूमि पूजन कर भगवान प्रहलाद को डांडा के रूप में विराजित किया जाता है। होलिका दहन के अवसर पर भगवान प्रहलाद की पूजा अर्चना कर होलिका दहन किया जाता है। इस मौके पर राम अवतार पंडित, प्रभु नंबरदार, राजू, सतीश पंडित, दीपचंद, निहाल, सोनू व दिनेशसहित सभी पंच व अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से ली राष्ट्रीय और सामाजिक एकता व अखंडता बनाए रखने की शपथ

मेघवाल उत्थान समिति ने मनाई गुरु रविदास जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। गुरु रविदास जयंती मनाते समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मेघवाल उत्थान समिति की ओर से रविवार को गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सामूहिक रूप से राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा समाज की एकता की शपथ ली। इस मौके पर मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह मेघवाल सहकारिता विभाग पंचकूला ने कहा कि आज के समय में जात पात का भेद मिटाकर राष्ट्र की एकता आवश्यक है। वक्ताओं ने कहा कि समिति की ओर से गांव-गांव में संविधान के मूल अधिकारों, कर्तव्यों एवं संवैधानिक मूल्यों पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा के सलाहकार एक्स सरपंच सावंत सिंह, संरक्षक वेद प्रकाश, प्रधान सूरजभान मेघवाल, उप प्रधान देवेंद, सह सचिव अशोक मेघवाल, भान सिंह, परमेश्वर मैनेजर, लालचंद फोरमैन, सूबेदार रमेश चंद्र, रूडाराम, हीरा सिंह वैद्य, आशीष कुमार व जय भगवान शेखपुर उपस्थित थे।

संत गुरु रविदास ने समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का दिया संदेश : रमेश

रेवाड़ी। कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार के नेतृत्व में रविवार को महान संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती तथा स्वतंत्रता सेनानी रणबीर सिंह हुड्डा की पुण्यातिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रमेश ठेकेदार ने कहा कि संत गुरु रविदास ने समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने जाति-पाति के भेदभाव को समाप्त कर समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। गुरु रविदास का जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके विचार हमें सामाजिक न्याय व समरसता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी रणबीर सिंह हुड्डा को याद करते हुए कहा कि उनका देश की आजादी के संघर्ष में अहम योगदान रहा है। रणबीर सिंह हुड्डा ने राष्ट्रहित में अपना जीवन समर्पित किया और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर सेवा स्तंभ के जिला अध्यक्ष भगत सिंह सांभरिया, आवाज फाउंडेशन हरियाणा के महासचिव सूबेदार मेजर सत्यनारायण सांभरिया, राजपाल दहिया, एडवोकेट राजकुमार जलवा, अनिल कुमार चांग, धीर सिंह, मिथलेश, गौरीशंकर, अरुण, सचिन व सुदेश सहित अनेक लोग मौजूद थे।

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन ने निकाली 159वीं प्रभातफेरी

नारनौल। शहर में प्रभातफेरी में भाग लेतीं श्रद्धालु महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राधे–कृष्ण नाम की प्रभातफेरी का संचालन करने वाली संस्था द्वारा रविवार को 159वीं प्रभातफेरी रेवाड़ी रोड स्थित सक्सेस लाइब्रेरी से निकाली गई। फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन प्रातः 7 बजे आयोजित इस प्रभातफेरी के यजमान पवन कुमार, बिजेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय गंगाराम सैनी ने परिवार के लोगों के साथ ढोल-मर्दंग बजाते हुए, राधे-राधे नाम का जाप किया। प्रभातफेरी में ठाकुर जी की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाकर यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर कर्मचारी कॉलोनी में परिक्रमा करके झूमते- नाचते-गाते हुए जब भक्तों की टोलियां गुजरी। भक्ति भाव में डूबे सैकड़ों की संख्या मे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिलाएं, नौजवान व धर्म प्रेमी लोगों ने नाचते, गाते, बजाते राधे नाम का जाप किया। गोसेवा मे समर्पित राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन राधा नाम संकीर्तन रथ के साथ लोगों ने ढोल-मंजीरे बजाते हुए ठाकुर जी व छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में लड्डू गोपाल जी के दर्शन किए।

निर्मला सीतारमण के बजट को जमकर सराहा, खेती और किसान से लेकर उद्योगपतियों का रखा ध्यान

केंद्रीय बजट पर प्रबुद्ध लोगों की प्रतिक्रिया, विकासात्मक बजट खोलेगा प्रगति के द्वार

रेवाड़ी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से रविवार को पेश किए गए देश के बजट पर प्रबुद्ध लोगों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है। अधिकांश लोगों ने बजट की जमकर सराहना करते हुए इसे देश और प्रदेश के लिए विकास के द्वार खोलने वाला बजट करार दिया है।

शिक्षण संस्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने पर जोर

शिक्षाविद् मनोज वशिष्ठ ने कहा कि केंद्रीय बजट शिक्षा क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी और भविष्योन्मुखी है। बजट में शिक्षा के डिजिटलीकरण और स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब्स की स्थापना के लिए आवंटित फंड मील का पत्थर साबित होगा। बजट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और मेधावी छात्रों के बीच की खाई को पाटने का प्रयास किया है। एकल खिड़की पोर्टल भ्रष्टाचार को कम करेगा और सीधे छात्रों के बैंक खातों में पैसा पहुंचाएगा। पीएचडी और शोध कर रहे छात्रों के लिए नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के तहत फेलोशिप राशि में बढ़ोतरी प्रतिभा पलायन रोकने वाला कदम है। नई संस्थाओं की घोषणा के बजाय मौजूदा संस्थानों में सीटों की संख्या बढ़ाने और उनकी इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने पर जोर दिया गया है। मॉडल स्कूल एवं पीएम-श्री स्कूलों के विस्तार के लिए अतिरिक्त फंड ग्रामीण भारत में शिक्षा के स्तर को सुधारने की कुंजी है।

बजट में हर वर्ग का रखा गया खास ख्याल: बलजीत सिंह

- **स्वदेशी हथियारों का निर्माण, डेयरी एवं पशुपालन में विकास, बुनियादी ढांचे में बढ़ोत्तरी**

भाजपा उपाध्यक्ष बलजीत सिंह यादव ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश किए गए बजट भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, उस समय भारत एक विकसित राष्ट्र होगा। बजट में गरीब, मजदूर, किसान, व्यापारी व कर्मचारी हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। स्वदेशी हथियारों का निर्माण, इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ोतरी, डेयरी एवं पशुपालन में विकास करके सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। चमड़ा एवं कपड़ा व्यापार को भी बढ़ावा देने का काम किया है।

हरियाणा के लिए विकास का नया अध्याय खोलेगा बजट

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने केंद्रीय बजट को जनहितैषी और विकासपरक बताया। विधायक ने कहा कि यह बजट हरियाणा के लिए विकास का नया अध्याय खोलेगा और इससे परियोजनाओं को नई रफ्तार मिलेगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए कर दिया है। यह पिछले साल से 1 लाख करोड़ ज्यादा है। इससे हरियाणा में दिल्ली-गुरुग्राम-फरीदाबाद आरआरटीएस, आईएमटी खरखोदा का विस्तार, ईवी पार्क और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं को नई रफ्तार मिलेगी तथा रोजगार के लाखों नए दरवाजे खुलेंगे। बजट में 16वें वित्त आयोग की 41 प्रतिशत डेवोल्यूशन बरकरार रखी गई है। हरियाणा सरकार यह राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण सड़कों और पानी संरक्षण जैसी योजनाओं पर और ज्यादा खर्च कर सकेगी। उन्होंने कहा कि कृषि प्रधान हरियाणा के लिए यह बजट किसानों का उत्सव है।

केंद्रीय बजट दूरदर्शी और ऐतिहासिक दस्तावेज

पीपीपी कोऑर्डिनेटर डा. सतीश खोला ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक दस्तावेज बताया। उन्होंने कहा कि बजट के तीन मूल विजन रफ्तार, क्षमता और सबका साथ देश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2027 के लिए 12.2 लाख करोड़ का ऐतिहासिक पूंजीगत व्यय और सिटी इकोनामिक रीजन का विकास हरियाणा जैसे औद्योगिक एवं इंफ्रास्ट्रक्चर केंद्रित राज्य को नई उड़ान देगा। एमएसएमई क्षेत्र के लिए 10,000 करोड़ का प्रावधान राज्य के उद्यमियों और रोजगार सृजन के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

हरियाणा के लिए गेम-चेंजर साबित होगा बजट

केंद्रीय बजट को विकसित भारत 2047 के विजन का हिस्सा बताते हुए बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने कहा कि हरियाणा इसमें ग्रोथ इंजन बनेगा। विधायक ने कहा कि बजट हरियाणा के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में एमएसएमई और स्टार्टअप को बूस्ट से हमारे युवा उद्यमी नई ऊंचाइयों को छूएंगे। केंद्रीय बजट में बढ़ा हुआ कैपेक्स, महंगाई नियंत्रण, टैक्स सरलीकरण और मेडिकल टूरिज्म पर फोकस से मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस बजट से इंफ्रा बूस्ट, कृषि मजबूती, युवा सशक्तिकरण और आर्थिक उड़ान मिलेगी।

विकसित भारत की ओर ले जाने वाला बजट

भाजपा जिला महामंत्री पंडित हिमांशु पालीवाल ने कहा कि बजट का आधार विकसित भारत को अग्रणी करना है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत की ओर ले जाने वाला बजट है, जिससे निरंतर भारत की रिफॉर्म एक्सप्रेस को स्पीड मिलेगी, बजट भारत के विजन को साकार करता है। बजट में वित्त मंत्री ने 4000 ई-बसें चलाने, 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, कैंसर की दवाओं के दाम घटाने और हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने सहित कई महत्वपूर्ण ऐलान करके हर वर्ग का ध्यान रखा है।

सपनों को बदलने वाला दूरदर्शी रोडमैप है बजट

- **युवाओं को रोजगार पाने वाले के बजाय रोजगार देने वाला बनाने में सहायक**

युवा भव्य ने कहा कि युवा आकांक्षाओं का प्रतिबिंब यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि हम जैसे छात्रों के बड़े सपनों और ऊंची उड़ानों को हकीकत में बदलने वाला एक दूरदर्शी रोडमैप है। नई शिक्षा नीति को बढ़ावा देने और इंटर्नशिप व कौशल विकास के जो अवसर इस बजट में दिए गए हैं, वे युवाओं को रोजगार पाने वाले के बजाय रोजगार देने वाला बनाने में सहायक होंगे।

इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं करना समझदारी

सीए मनीष चांदना ने कहा कि इनकम टैक्स संबंधी पहले जो वाद दायर किए जाते हैं, तब अपील करने पर 20 फीसदी राशि जमा करानी पड़ती थी, जिसे नए बजट में घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं करना सरकार का समझदारी भरा निर्णय है। छोटे एमएसएमई को चैंपियन ग्रोथ फंड के तहत अब 10 लाख रुपए का ऋण मिल सकेगा। एनआरआई को प्रॉपर्टी खरीद के लिए टेम्प्रेरी पैन कार्ड बनवाना पड़ता था, मगर अब वे आधार कार्ड के आधार पर प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं, यह बड़ी राहत है।

राष्ट्रीय विधि सम्मेलन में स्वतंत्रता और सामूहिक उत्तरदायित्व के मध्य संतुलन पर हुई गहन चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के विधि विभाग की ओर से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार एवं उसकी सीमाएं विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय विधि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने की और कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह भी उपस्थित थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रोफेसर देविंदर सिंह कुलपति डा. बीआर आंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी सोनीपत थे। विशिष्ट अतिथि प्रो. कविता ढुल महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा मुख्य वक्ता प्रो. भारत पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ थे। सम्मेलन में प्रो. सुनीत के श्रीवास्तव आईजीएनओयू दिल्ली, प्रो. अशोक कुमार सीडीएलयू सिरसा एवं प्रो. धरम पाल सिंह पूनिया केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा ने संसाधन व्यक्ति के रूप में अभिव्यक्ति की और स्वतंत्रता एवं उसकी संवैधानिक सीमाओं पर विचार प्रस्तुत किए। मंच संचालन सचिव डा. कुसुम यादव ने किया। संयोजक डा. हेमंत कुमार यादव ने सम्मेलन के उद्देश्य एवं उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सम्मेलन के संचालक प्रोफेसर तेज सिंह ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, संसाधन व्यक्तियों तथा विवि के कुलपति एवं कुलसचिव का आभार व्यक्त किया।

एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी रेवाड़ी की चहक यादव

रेवाड़ी। शहर की शक्ति नगर कॉलोनी निवासी चहक यादव का चयन दिल्ली में होने वाली एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। चहक 17 साल की उम्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही है। चहक ने 12 साल की उम्र में सेक्टर-4 स्थित राव शूटिंग अकादमी पर कोच रमन राव के मार्गदर्शन में अपनी शूटिंग की शुरूआत की। चहक ने पांच सिलेक्शन ट्रायल खेलते हुए एशिया के लिए सिलेक्शन पाया है। कोच रमन राव ने बताया कि चहक एशियाई चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ महिला वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। चहक में पिछले वर्ष दिसंबर में नेशनल चैंपियनशिप में भी रजत पदक हासिल किया था। चैंपियनशिप डॉक्टर करणी सिंह शूटिंग रेंज दिल्ली में 2 फरवरी से होने जा रही है। चहक पहले भी नेशनल चैंपियनशिप में स्कूली नेशनल चैंपियनशिप में पदक ला चुकी है।

हिंदू धर्म में धार्मिक उत्सव समाज में आए दिन करते आनंद का संचार : राजेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा बोर्ड भिवानी के पूर्व अध्यक्ष वी पी यादव, हिंदू सम्मेलन के जिला संयोजक डा. आर बी यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि हिंदू धर्म एक सुखमय जीवन जीने का विज्ञान है। इसकी शुरूआत में ही प्राणी मात्र की मंगल कामना व विश्व का कल्याण निहित है। इसमें साधकों को प्रभु को पाने के लिए विभिन्न मार्ग बताए है। इसमें साकार पूजा करने वाले मूर्ती या चित्र के माध्यम से प्रभु की की उपासना करते हैं। निराकार में आस्था रखने वाले ध्यान व अन्य साधनों द्वारा उसी एक भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताते हैं। शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल, प्राचार्य राजेन्द्र सिंह यादव, प्रो. सी एल सोनी व समाजसेवी चन्द्र प्रकाश ने कहा कि हिंदू धर्म में आए दिन धार्मिक उत्सव समाज में आनन्द का संचार करते है।

ये रहे मौजूद

महिला प्रधान निशा सीकरी, शिक्षाविद् प्रीती कपूर, पर्यावरण सेवी नीरू खुराना, डा. देवेन्द्र कुमार, पुरुषोतम नन्दवानी, हिमांशु, नयन शर्मा, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर, रुपचन्द, बिल्लू लाल, नंद कुमार व कृष्णा तायल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

गुरु रविदास की जयंती पर किया नमन

धारूहेड़ा। रविवार को नगरपालिका चेयरमैन कंवर सिंह ने गुरु रविदास जयंती पर उन्हें नमन करते हुए उनके न्याय, करुणा और सामाजिक समरसता के विचारों को याद किया। उन्होंने गुरु रविदास के समानता, प्रेम और सामाजिक न्याय के संदेश को प्रेरणादायक बताया। उन्होने कहा कि मानवता के अनन्य उपासक महान संत गुरु रविदास के विचारों में न्याय और करुणा का भाव सर्वोपरि था, जो जनकल्याण की हमारी योजनाओं के मूल में है। उन्होंने सामाजिक समरसता और सद्भावना के जिस दीप को प्रज्वलित किया, वह देशवासियों के पथ को सदैव आलोकित करता रहेगा।

समिति ने फिर उठाई एम्स में ओपीडी की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रविवार को एम्स संघर्ष समिति मनेठी की बैठक अध्यक्ष कैलाश चंद की अध्यक्षता में तहसील परिसर में संपन्न हुई। बैठक का संचालन समिति सचिव ओमप्रकाश सैन ने किया। इस मौके पर अध्यक्ष ने एम्स में ओपीडी व एमबीबीएस की कक्षाएं जल्द शुरू करने तथा ओवरब्रिज निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आगामी मार्च माह तक मांगे पूरी नहीं हुई तो आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

एम्स संघर्ष समिति के प्रवक्ता कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि रामगढ़ भगवानपुर अस्पताल बनाओ कमेटी के आह्वान पर एनएच-71 भगवानपुर की पंचायती जमीन पर हॉस्पिटल या ट्रामा सेंटर बनवाने की मांग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा सरकार से वार्ता के लिए अनेक बार अनुरोध किया जा चुका है, परंतु स्वास्थ्य मंत्री ने कमेटी को अभी तक समय नहीं दिया है। अब

ये रहे मौजूद

डा. एचडी यादव, बीडी यादव, एसपी गोयल, महावीर सिंह पंच, रामकुमार निमोठ, रामेश्वर दयाल, बलवंत पंच, सत्यनारायण, कंवल सिंह, कर्नल राजेंद्र सिंह, ईश्वर सिंह सैन, जितेंद्र सिंह, डा. नरेंद्र सिंह, सतनारायण, कृष्ण कुमार, अमर सिंह राजपुरा, राजरानी, मीणा, दयाराम आर्य, दलबीर सिंह व प्रकाश चंद मौजूद थे।

रामगढ़ भगवानपुर अस्पताल बनाओ कमेटी के बैनर तले महिलाएं 8 फरबरी को वार्ता करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री के निवास रामपुरा जाएगी। एम्स संघर्ष समिति मनेठी ने महिलाओं को पूरा सहयोग देने का फैसला लिया।

मधुमक्खी को आर्थिक सुरक्षा, शहद को भावांतर भरपाई योजना में किया शामिल

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार ने मधुमक्खी पालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भावांतर भरपाई योजना के तहत शहद के लिए संरक्षित मूल्य तय किया है। डीसी ने कहा कि यह निर्णय हरियाणा सरकार की किसान हितैषी सोच और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। इससे मधुमक्खी पालकों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से राहत मिलेगी और उन्हें अपने उत्पाद का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा। डीसी ने बताया योजना के तहत पंजीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया मधुक्रांति पोर्टल तथा भावान्तर भरपाई योजना पोर्टल शहद के माध्यम से की जाएगी। पंजीकरण की अवधि 1 जनवरी से 30 जून 2026 तक निर्धारित की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए हरियाणा राज्य की सीमा के भीतर सत्यापन अनिवार्य होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

धर्म-कर्म माद्य स्नान से श्रद्धालुओं को मिलता है संतान की वृद्धि, सदाचरण का लाभ

माघ मास की अंतिम तीन तिथियां पवित्र और शुभकारक, मनवांछित फल की होती है प्राप्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

माघ मास के शुक्ल पक्ष की अंतिम 3 तिथियां त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक बड़ी ही पवित्र और शुभकारक हैं। ज्योतिषाचार्य दलीप शास्त्री का कहना है कि यदि इन तिथियों में स्नान, व्रत नियम आदि से करें जाएं तो माघ मास का श्रद्धालु पूरा फल पा लेते हैं। उनका कहना है कि वैसे तो माघ मास की हर तिथि पुण्यदायी होती है और इसमें सब जल गंगाजल तुल्य हो जाते हैं। सतयुग में तपस्या से जो उत्तम फल प्राप्त होता था, त्रेता में ध्यान के द्वारा, द्वापर में भगवान की पूजा के द्वारा और कलयुग में दान स्नान के द्वारा तथा द्वापर, त्रेता, सतयुग में पुष्कर, कुरुक्षेत्र, काशी, प्रयागराज में 10 वर्ष शुद्धि, संतोष आदि नियमों का पालन करने से जो फल मिलता है, वह कलयुग में माघ मास में अंतिम 3 दिन त्रयोदशी, चतुर्दशी और पूर्णिमा को प्रातः स्नान करने से मिल जाता है। उनका कहना है कि स्नान आदि करने से अकाल मृत्यु से रक्षा भी होती है। संतान की वृद्धि, सदाचरण और सत्संग का लाभ भी श्रद्धालुओं को मिलता है। विद्या भी अक्षय धन में बदल जाती है। मनवांछित फल की प्राप्ति भी होती है। पंडित शास्त्री का कहना है कि माघ मास स्नान, सत्संग स्नान जिसने भी किया, उसे नरक का डर नहीं रहता। दरिद्रता और पाप उसके पास फटकते भी नहीं है। इन तिथियों में गीता, श्रीविष्णु सहस्त्र नाम, भागवत शास्त्र का पठन व श्रवण लाभ दायक है। श्रद्धालुओं को यह सब करने से पुण्य की प्राप्ति भी होती है।

माघ मास की हर तिथि पुण्यदायी होती है

माघ माह को बताया वेदों व पुराणों में बड़ा फलदायी

भगवान शिव को समर्पित माघ मास का हिंदू धर्म में बड़ा महत्व है। वेदों और पुराणों में इस मास को पुण्य फल देने वाला बताया गया है। रविवार को माघ माह की पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। धर्म शास्त्रों में पूर्णिमा तिथि को जहां विशेष फलदायी बताया गया है, वहीं इस दिन स्नान के साथ दान का भी विशेष महत्व है। इस दिन किया गया दान कई गुना फल देने वाला माना जाता है। यदि माघ मास की पूर्णिमा पर व्यक्ति अपनी राशि के अनुसार दान करता है, तो भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में चल रही बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि पितरों के तर्पण के लिए भी यह दिन उत्तम माना गया है। इस दिन पितरों के निमित्त जलदान, अन्नदान, भूमिदान, वस्त्र एवं भोजन पदार्थ दान करने से उन्हें तृप्ति होती है। जोड़े सहित ब्राह्मणों को भोजन कराने से अनन्त फल की प्राप्ति होती है। सायं के समय भगवान सत्यनारायण की पूजा कर, धूप, दीप नैवेद्य अर्पण करें। भगवान सत्यनारायण की कथा सुनें। जरूरतमंदों को तिल, कंबल, कपास, गुड़, घी, मोदक, जूते, फल व अन्न आदि का दान करें। रात करीब 12 बजे महालक्ष्मी की भगवान विष्णु सहित पूजा करें एवं रात को ही घर के मुख्य दरवाजे पर घी का दीपक लगाएं।

109 मरीजों ने निःशुल्क कैंप में कराई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 109 मरीजों को फ्री ओपीडी सेवाएं व दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग, चर्म रोग व ईएनटी के मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। शिविर के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण,अमर सिंह, रामसिंह, प्रो. सतीश यादव व गोकलराम ने सहयोग प्रदान किया।